ये अव्यक्त इशारे

कर्मयोगी बनो

28-06-2024

भल यह पुराना शरीर है लेकिन बलिहारी इस अन्तिम शरीर की है जो श्रेष्ठ आत्मा इसके आधार से अलौकिक अनुभव करती है। तो आत्मा और शरीर कम्बाइन्ड है। पुराने शरीर के भान में नहीं आना है लेकिन मालिक बन इस द्वारा कार्य कराने हैं, इसलिए आत्म-अभिमानी बन कर्मयोगी बन कर्मेन्द्रियों द्वारा कर्म कराते चलो। कर्तापन के भान से, मैं करता हूँ, मैंने किया... यह मैं पन से मुक्त रह कर्म करना ही कर्मयोगी स्टेज है।

Be a karma yogi.

Even though this is an old body, it is the greatness of this final body that the elevated soul, with this support, has alokik experiences. So, the soul and body are combined. Do not come into the consciousness of the old body, but be a master and make it work, therefore, be soul conscious, be a karma yogi and continue to enable your physical organs to perform actions. Remain free from the awareness of doing, "I am doing this, I did this", this is the consciousness of "I" – performing actions while being detached from this is the karma yogi stage.